>

Title: Regarding vulgar contents of programmes on Television.

श्री शरद यादव : मैं सिर्फ आपको अपनी बात सुनने के लिए कह रहा था।... (व्यवधान) मैं सूचना एंव प्रसारण मंत्री श्रीमती अम्बिका सोनी को बधाई देना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मैं मीडिया की बात नहीं कर रहा हूं। मैं एंटरटेनमैंट चैनल्स के बारे में बोलना चाहता हूं। मैं मानता हूं कि बाजार का विस्तार आज से नहीं, सदियों से हो रहा है। लेकिन बाजार के विस्तार में संस्कृति हिन्दुस्तान की हो या बाहर की हो, उनमें मेल होना चाहिए। चाहे संगीत हो, तहजीब व तमद्दुन हो या संस्कृति हो। आप खुद मेरे से ज्यादा जानती हैं--बिग बॉस, जोर का झटका धीरे से, झलक दिखला जा, शादी तीन करोड़ की, गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स तो सुना था, अब चैनल वाले गिनीज बुक हिन्दुस्तान में ले आये हैं। चक धूम-धूम, स्वयंवर ...(व्यवधान) जो देखते हैं, उनसे लिखवा कर लाया हूं।

मैं अम्बिका सोनी जी को बधाई देना चाहता हूं कि कलर टीवी पर जो बिग बॉस वाला जो तमाशा चल रहा था, जिसमें इस देश के और पाकिस्तान से बाजू में, जिस तरह से महिला की जो सीमा है, उसे लांघकर जीवन जीने वाली जो महिलाएं हैं, उनका क्या तमाशा हुआ, लोगों ने बताया, उसका मैं बयान नहीं कर सकता हूं। देश में सेंसरशिप लगी हुई है। सेंसरशिप हर चैनल पर लगी है, हर सिनेमा पर होती है। क्या सेंसरशिप की कमेटी सो रही है? क्या कर रही है? नंगा नाच चला हुआ है। देश की सभ्यता डांस, आपको मालूम होना चाहिए कि इन्होंने बंद कर दिए...(व्यवधान) बार डांस बंद कर दिए बंबई में...(व्यवधान) और जो सर्कस होते थे, वे इस देश की धरोहर थे, सिर्फ जानवर के नाम पर सर्कस बंद कर दिए। अब सर्कस जैसे काम लोग वहां स्टेज पर कर रहे हैं। डांस नहीं कर रहे हैं। हिन्दुस्तान का नृत्य दुनिया का बेजोड़ नृत्य है। स्वरों पर शरीर चलता है, घुंघरू से स्वर मिलते हैं, लेकिन आज जो फूहड़ और नई सभ्यता है, उसमें सिर्फ शरीर हिलाते हैं और शरीर हिलाने में पुरूषों को छोड़ दीजिए, महिलाओं का ऐसा दृश्य भरा हुआ है कि शीला वाला कोई गाना बना है ...(व्यवधान) शीला बदनाम हो गयी...(व्यवधान) मुन्नी बदनाम हो गयी...(व्यवधान)

सभापति महोदया: ये चीजें सभी को मालूम हैं, आप अपनी बात कहिए।

श्री शरद यादव : हाँ, जी। सही बात है, सभी को मालूम है, मुझे नहीं मालूम है।...(व्यवधान) लेकिन आपने भी वक्त की सीमा में मुझे बांध दिया है, मेरी विनती है कि मेरी बात सुन लीजिए।...(व्यवधान) जो सेंसर बोर्ड है, प्रणब बाबू उसका चेयरमैन कौन है? वह क्या कर रहा है?...(व्यवधान) ये जो चैनल्स चल रहे हैं, आप तो देखते नहीं, मैं भी देखता नहीं हूं, हम दिन भर काम में लगे रहते हैं, आज घरों में बच्चों के साथ टीवी देखना गुनाह हो गया है। अगर टीवी समाचार के लिए रखेंगे, तो उसको आप देख नहीं सकते हैं और जो मां है, हमारी महतारी है, जो हमारी बहन है, हमारी बेटियां हैं, सारे चैनलों में सिर्फ महिलाओं की कलह दिखाई जा रही है। जितना महिलाओं का चरित्र हनन इस देश में इस दौर में हुआ है पैसे कमाने के लिए, नकली शादी कर रहे हैं, उस शादी में एक औरत, जिसका नाम मैं नहीं जानता हूं, ऐसी बेशर्मी का खेल हो रहा है। मैं नहीं कहता कि बाजार को कोई रोक नहीं सकता है, बाजार तो आएंगे। इसी देश में बाजार एक इलाके से दूसरे इलाके में गया है। बाजार से संस्कृति, तहजीब, भाषा, बोली आदि सभी का मेल होता है, आज दुनिया भर की सभ्यताएं इकट्ठा हो रही हैं, मेल होगा, लेकिन हमारे पास जो अच्छा है, उस सबको पानी में डाल दें, सबको कुचल दें हम और इस तरह के चैनल्स को हम बंद न करें? मैंने जब अम्बिका सोनी जी को बधाई दी कि आपने अच्छा काम किया, वह बोलीं कि शरद जी मैं तो तंग हो गयी हूं। बिग बॉस को बंद करने का फैसला किया अम्बिका सोनी जी ने लेकिन मुंबई के कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं कर सकते हैं। भारत सरकार, जो करोड़ों वोटों से बनी हुई है, वह नहीं कर सकती है। लोगों को सीमाएं देखनी चाहिए। यह कोर्ट इन चैनल्स को देख नहीं रही है? इस तरह के फैसले से मुझे बहुत तकलीफ हुई है। इस देश में तमाशा मचा हुआ है। सेंसर बोर्ड क्या कर रहा है? क्यों इनको ऐसी अनुमति दे रहा है? क्यों इस तरह से कर रहा है? आज लोक सभा का चैनल है, मैं आपको बताऊं कि देश भर में यह फैल रहा है। देखने को नहीं मिलता है, आजकल लोग सबसे ज्यादा इस चैनल को देख रहे हैं। क्यों नहीं इसका प्रचार होता है? शाम के वक्त इतना बढ़िया बोलने वाले सांसद हैं कि मैं जब एक दिन घर पर बैठकर इस चैनल को देख रहा था, उत्तराखण्ड के सांसद को बोलते हुए देख रहा था। उसने उत्तराखण्ड का बहुत अच्छा चित्र खींचा, उत्तराखण्ड में मैं ज्यादा नहीं गया, मैं वहां के बारे में ज्यादा नहीं जानता था, लेकिन उसने उत्तराखण्ड के बारे में बहुत बेहतरीन भाषण दिया।

वह किस पार्टी के थे, मुझे मालूम नहीं है। इस देश में अच्छाई को हम पूरी तरह से कुचल देंगे, सदियों से हमारे यहां जो मर्यादाएं हैं, मां की, बहन की, पत्नी की जो मर्यादाएं हैं, उन्हें इस तरह से दिखाया जा रहा है कि जैसे औरतों से ज्यादा गंदा और षडयंत्रकारी कोई है ही नहीं है। नंगेपन के बारे में तो सबको मालूम है। कुछ औरतें हैं, जिन्होंने फिल्मीस्तान में जाकर लगता है अपनी पूरी इज्जत उतारकर रख दी है। इस देश में सैक्स के बारे में अजीब हालत है। लोग सबसे ज्यादा इसे देखते हैं। दुनिया में भी देखते हैं। मैं समाचारों के दौरान टीवी पर एक विज्ञापन देख रहा था। उसमें बिल्कुल नग्न एक जवान औरत पेड़ के पीछे से निकल कर आती है। यह क्या दिखा रहे हैं, क्या हो रहा है और कौन देख रहा है! अम्बिका सोनी जी ने जब ऐसी चीजों पर रोक लगाने की बात कही, तो लोग अदालत में चले गए और उनके फैसले को ताक पर रख दिया गया।

सभापति महोदया : सारा सदन आपके साथ है।

श्री शरद यादव : यह देश को लूटने के लिए चैनल्स बने हुए हैं। ऐसे चैनल्स देश को बर्बाद कर रहे हैं। इनका क्या इंतजाम करना चाहिए, आपकी तरफ से प्रोटेक्शन होना चाहिए। हम चाहते हैं कि मौजूदा सेंसर बोर्ड को भंग करके नया सेंसर बोर्ड बनाया जाए। उस सेंसर बोर्ड में सांसदों को लिया जाना चाहिए, फिर देखिए कैसे ठीक तरीके से काम होता है। आजकल हमारे देश में इस तरह के कई चैनल्स गंदगी फैला रहे हैं, वल्गैरिटी दिखा रहे हैं। ऐसे वल्गर शो हो रहे हैं, एक तमाशा बना हुआ है। जिस तरह से अम्बिका सोनी जी ने कदम उठाया था, उसी तरह का कदम सरकार उठाकर इन चैनल्स को रास्ता दिखाए और कहे कि ठीक बता दिखाई जानी चाहिए। हमारे देश की हजारों वर्ष की सभ्यता है, उसके अनुसार चैनल्स चलने चाहिए। उससे बाहर चलेंगे तो देश बर्बाद होगा। हमारे देश की सदियों से जो संस्कृति बनी हुई है, वह मिट जाएगी और हम वह मिटने नहीं देंगे।

सभापति महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

सभापति महोदया: शरद यादव जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री हंसराज जी. अहीर और श्री वीरेन्दर कश्यप अपने को सम्बद्ध करते हैं।